

	मंत्र	समस्या	विधि
1.	श्रीं ह्रीं कट् रक्तचामुण्डीश्वरी शत्रु जीवविनाशनि एहोहि शीघ्रं इष्टनाकर्षयाकर्षय स्वाहा ॥	जेल बन्धन से मुक्ति पाने क मन्त्र।	
2.	इं ओं नमो भगवति श्रीं ह्रीं शारदा देवी क्रीं अनन्तातुल् भोज्यं देहि देहि रहागच्छागच्छागन्तुकं हृदयस्थं कार्यं सत्यं ब्रुहि सत्यं ब्रुहि पुलिन्दनि ई स्वाहा ॥	मुकदमे मे जीत का मन्त्र	आकाश भैरव के 9 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ से हवन
3.	क्लीं ग्लों क्लीं श्यामलांगाय नमः ॥	घर की सुखः शान्ति के लिये	गुरुवार 16 / 5100 मन्त्र हर गुरुवार
4.	ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लीं गं गणपते वर वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा ॥	ग्रह शान्ति व ग्रह दोष निवारण	offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प 7 पाठ व 1 पाठ का हवन करे.

5.	ॐ देवकी सुत गोविन्द वासुदेव जगत्पते, देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणंगतः ॥	गर्भस्थ शिशु की रक्षा के लिये मन्त्र	
6.	"हां " का 2 लाख बार मन्त्र जप कृष्ण रोग के लिये व 3 लाख बार मन्त्र जप यश्मा के लिये व 4 लाख बार मन्त्र जप भयंकर व अशाध्य रोगो के	कृष्ण रोग यश्मा आदि के लिये भगवान सूर्य देव का मन्त्र	
7.	ॐ हें श्रीं हुं दुं इन्द्राक्षी ! मां रक्ष रक्ष मम शत्रुन् नाशय नाशय , जलरोगान शोषय -शोषय त्रानरिन भजंय-भजंय, दुःखः-व्याधीन स्फोटय स्फोटये मनोग्रन्थि प्राणग्रन्थि शिरोग्रन्थीन काटय काटय , इन्द्राक्षी मां रक्ष रक्ष हुं फट् स्वाहा	असहाय रोगो के निवारण हेतु मन्त्र	AS PER RUDRA YAMAL OFFLINE POOJA AND HAVAN आकाश भैरव कल्प के 15 वे अध्याय के 17 पाठ व 2 पाठ के हवन
8.	हीं वेदमातृभ्यः स्वाहा । ओम सं सरस्वती स्वाहा ॥	विध्या मे विफलता / उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिये	आकाश भैरव कल्प के 11 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ के हवन
9.	ॐ हीं बगलामुखि सर्वदुष्टानाम् वाचं । मुखं पदं स्तम्भय जिह्वां कीलय , बुद्धि विनाशाय, हीं ॐ स्वाहा ॥	चुनाव जितने का मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 11 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ के हवन

10.	ओं श्रीं क्लीं महालक्ष्मी महालक्ष्मी एहेहि सर्वसौभाग्यं देहि मे स्वाहा ॥	कर्ज मुक्ति का मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 28 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ के हवन
11.	ॐ भूर् भुवः स्वः। तत् सवितुर्वरेण्यं। भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ॥	मांगलिक दोष निवारण मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 56 वे अध्याय के 31 पाठ व 3 पाठ के हवन
12	श्री धुमावति मालमंत्र	सर्वसिद्धि प्रदायक मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 27 वे अध्याय के 31 पाठ व 3 पाठ के हवन
13	ॐ ह्रीं क्लीं हुं मातंग्ये फट स्वाहा ॥	विदेश यात्रा व विदेश मे नौकरी के लिये	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 25 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ के हवन
14	युद्ध यामल तन्त्र के अनुसार , महामृत्युन्जय मालामन्त्र ॥	मृत्यु योग व अकाल मृत्यु से बचने का मन्त्र	

15.	त्रिलोक्यपूजिते देवी , कमले विष्णुवल्लभे । यथा त्वमचला कृष्णे , तथा भवमयि स्थिरा ॥	स्थिर लक्ष्मी प्राप्त करने के लिये	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 43 वे अध्याय के 41 पाठ व 4 पाठ के हवन
16	ओम क्लीं ऐं ह्रीं श्रीं नमो भगवति संतान कामेश्वरी गर्भविरोधं निरासय निरासय सम्यक् शीघ्रं सन्तानमुत्पादयोत्पादय स्वाहा ॥	संतान प्राप्ति मन्त्र	
17	ॐ ऐं क्लीं क्लीं क्लुं हां ह्रीं हुं सः वं आपदुद्धारणाय अजामलवधाय लोकेश्वराय स्वर्णाकर्षण भैरवाय मम् दारिद्र्य विद्वेषणाय ॐ ह्रीं महाभैरवाय नमः ॥	स्वर्णाकर्षणः भैरव मन्त्र खोया हुआ धन व छिपे हुये खजाने / सोने की प्राप्ति के लिये	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 41 वे अध्याय के 31 पाठ व 3 पाठ के हवन
18	आकाश भैरव कल्प के 31 वे अध्याय के 27 पाठ व 3 पाठ के हवन	शत्रु मारणम्	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 31 वे अध्याय के 27 पाठ व 3 पाठ के हवन
19	ऐं ह्रीं क्लीं ओं नमो भगवति महामोहिनी महामये सर्वलोक वशंकरि देवदत्तस्य वाक् चक्षुस्थितं मोहय मोहय नानारूपाकृतिः शीघ्रं दर्शय दर्शय ह्रीं स्वाहा ॥	सर्वजन् मोहित करने का मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 44 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ के हवन

20	भीं ठं द्रां नमो भगवति जगन्मोहिनी सोमेश्वरी सर्व लोकाक्षि -हृद्घोत्रं द्रावय -द्रावय स्वाहा ॥	सभी जन को अपने हित मे करने का मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 45 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ के हवन
21	आकाश भैरव कल्प के 36 वे अध्याय के 31 पाठ व 3 पाठ के हवन ॥	वास्तु दोष निवारन मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 36 वे अध्याय के 31 पाठ व 3 पाठ के हवन
22.	पामों नमो भगवति शब्दाकर्षिणी देवि अमिष्ट वरदे सर्वलोक मोहिनी सर्वमये शब्दाना कर्षयस्वाहा ॥	वाणी की सिद्धि का मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 46 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ के हवन
23.	ओम श्रीं क्लीं महालक्ष्मी महालक्ष्मी एक्षेहि सर्व सौभाग्यं देहि मे स्वाहा ॥	सौभाग्य व लक्ष्मी प्राप्ति हेतु मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 45 वे अध्याय के 31 पाठ व 3 पाठ के हवन
24	हीं हरिहर पुत्राय पुत्र लाभाय शत्रु नाशाय मद गज वाहनाय महाशास्ताय नमः॥	पुत्र प्राप्ति का मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 51 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ के हवन

25	आकाश भैरव कल्प के 58 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ के हवन	दुस्वपन: नाश करने का मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 58 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ के हवन
26	आकाश भैरव कल्प के 59 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ के हवन	जादू टोटको के निवारण का मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 59 वे अध्याय के 21 पाठ व 2 पाठ के हवन
27	ओम श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लों गं गणपतेय वर वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा ।	व्यापार व नौकरी के लिये	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 60 वे अध्याय के 16 पाठ व 2 पाठ के हवन
28	ॐ देवताम्य पितृम्यश्रच महायोगिम्य एव च । नमः स्वधाय स्वाहाये नित्यमेव नमो नमः ॥	पितृदोश निवारण मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 51 वे अध्याय के 11 पाठ व 1 पाठ के हवन
29	ॐ तत्पुरुषाय विध्महे सुवणेवक्षाय धीमहि तन्नो गरुडः प्रचोदयात ।	कालसर्प दोष निवारण मन्त्र	Offline पूजा व हवन आकाश भैरव कल्प के 12 वे अध्याय के 27 पाठ व 3 पाठ के हवन

30	<p>ओं खं खां खं फट् शत्रून् ग्रसीस ग्रसीस हुं फट् सर्वास्त्र संहरणाय</p> <p>शरभाय शान्ताय पक्षिराजाय हूं फट् स्वाहा नमः ॥</p>	<p>शत्रुनाश व उनसे</p> <p>जितने का मन्त्र</p>	<p>Offline पूजा व हवन</p> <p>आकाश भैरव कल्प के</p> <p>9 वे अध्याय के 31 पाठ</p> <p>व 3 पाठ के हवन</p>